SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

यीशु कौन है? — जीवन में उतारना · स्ट्रॉन्ग की संख्याओं के साथ केजेवी शास्त्रवचन

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

यीशु कौन है — उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक बाइबल के माध्यम से एक यात्रा

उद्घाटन शब्द

पहले अध्ययन ने एक प्रश्न पूछा। वह प्रश्न था, यीशु कौन है? बाइबल ने बाइबल की पहली पुस्तक से लेकर अंतिम पुस्तक तक उस प्रश्न का उत्तर दिया। यह अध्ययन अगला प्रश्न पूछता है। अगला प्रश्न है, एक व्यक्ति उस उत्तर के साथ क्या करता है? यीशु के बारे में जानना यीशु को जानने के समान नहीं है। एक व्यक्ति किसी मनुष्य के बारे में हर तथ्य जान सकता है। वही व्यक्ति फिर भी उस मनुष्य के साथ चलने में असफल रह सकता है। बाइबल परमेश्वर के साथ जीवन को एक चाल के रूप में वर्णित करती है। एक बालक भी वही प्रतिमान दिखाता है। वह पहले घुटनों के बल चलता है। फिर एक पिता बालक को बाहों से पकड़ता है। पिता बालक को चलना सिखाता है। फिर बालक चलता है। फिर वह बढ़ता है। फिर वह दौड़ता है। जो व्यक्ति अच्छी तरह दौड़ता है वह एक दौड़ में दौड़ता है। दौड़ की एक अंतिम रेखा होती है। यह अध्ययन पहले अध्ययन के उत्तर को उन चार चरणों के माध्यम से आगे ले जाता है। पहला चरण दिखाता है कि एक व्यक्ति पहली बार यीशु को कैसे जानता है। दूसरा चरण यीशु के साथ प्रतिदिन की चाल को दिखाता है। तीसरा चरण दौड़ को दिखाता है। दौड़ में, एक व्यक्ति अन्य लोगों के सामने यीशु के नाम को अंगीकार करता है। चौथा चरण अंतिम रेखा को दिखाता है। यीशु वापस आ रहा है। बाइबल हर दौड़ने वाले को जागते रहने की आज्ञा देती है। अंतिम रेखा पर, दौड़ने वाला यीशु का मुख देखेगा।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. एक व्यक्ति सबसे पहले यह कैसे जानता है कि यीशु कौन है?
2. एक व्यक्ति प्रतिदिन यीशु के साथ कैसे चलता है?
3. यीशु की बाट जोहनेवाले व्यक्ति के लिए दौड़ के अंत में क्या रखा है?

I. रेंगना — एक व्यक्ति सबसे पहले उसे कैसे जानता है

(मेरे व्यक्तिगत विचार: हर चाल नीचे से शुरू होती है, क्योंकि एक शिशु चलने से पहले रेंगता है। यीशु के बारे में तथ्य पढ़ने और सुनने से आते हैं, परन्तु जानना स्वयं पिता की ओर से एक वरदान के रूप में आता है। नीचे दिए गए पद दोनों बातें दिखाते हैं।)

A. वह प्रश्न जिसका उत्तर हर व्यक्ति को देना चाहिए — तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूँ?

मत्ती 16:13 यीशु कैसरिया फिलिप्पी के प्रदेश में आकर अपने चेलों से पूछने लगा, “लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं?” (14) उन्होंने कहा, “कुछ तो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहते हैं और कुछ एलिय्याह, और कुछ यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई एक कहते हैं।” (15) उसने उनसे कहा, “परन्तु तुम

मुझे क्या कहते हो?” (16) शमौन पतरस ने उत्तर दिया, “तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।”

तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूँ? --> तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र।

मत्ती 16:17 यीशु ने उसको उत्तर दिया, “हे शमौन, योना के पुत्र, तू धन्य है; क्योंकि माँस और लहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है। **[G601 apokalupto ⚑]**

मांस और लोहू ने तुझ पर यह प्रगट नहीं किया --> परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यीशु का दूसरा प्रश्न व्यक्तिगत था, "तुम मुझे क्या कहते हो कि मैं कौन हूँ?" "प्रकट किया" के पीछे यूनानी शब्द apokalupto (G601, ढक्कन को हटाना) है, और परमेश्वर ने स्वयं पतरस के लिए ढक्कन हटाया। एक व्यक्ति अन्य लोगों से तथ्य सीख सकता है, परन्तु जानना स्वयं परमेश्वर की ओर से आता है।)

बी. कोई भी मनुष्य नहीं आ सकता, जब तक पिता उसे न खींचे

यूहन्ना 6:44 कोई मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक पिता, जिसने मुझे भेजा है, उसे खींच न ले; और मैं उसको अन्तिम दिन फिर जिला उठाऊँगा। (45) भविष्यद्वक्ताओं के लेखों में यह लिखा है, ‘वे सब परमेश्वर की ओर से सिखाए हुए होंगे।’ जिस किसी ने पिता से सुना और सीखा है, वह मेरे पास आता है। (यशा. 54:13)

कोई मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक पिता, जिसने मुझे भेजा है, उसे खींच न ले --> जिस किसी ने पिता से सुना और सीखा है, वह मेरे पास आता है। (यशा. 54:13.

रोमियों 10:17 इसलिए विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।

इसलिए विश्वास सुनने से + और सुनना मसीह के वचन से होता है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: खींचना परमेश्वर का काम है, और सुनना वह भाग है जो व्यक्ति कर सकता है (यूहन्ना 6:44-45)। विश्वास परमेश्वर के वचन को सुनने से आता है (रोमियों 10:17)। परमेश्वर बाइबल के द्वारा लोगों को खींचता है, इसलिए वह बाइबल को नहीं छोड़ता।)

सी. आओ और देखो — हमने स्वयं उसकी सुनी है

यूहन्ना 1:45 फिलिप्पुस ने नतनएल से मिलकर उससे कहा, “जिसका वर्णन मूसा ने व्यवस्था में और भविष्यद्वक्ताओं ने किया है, वह हमको मिल गया; वह यूसुफ का पुत्र, यीशु नासरी है।” (मत्ती 21:11) (46) नतनएल ने उससे कहा, “क्या कोई अच्छी वस्तु भी नासरत से निकल सकती है?” फिलिप्पुस ने उससे कहा, “चलकर देख ले।”

हमें वह मिल गया है, जिसके विषय में मूसा ने व्यवस्था में, और भविष्यद्वक्ताओं ने लिखा है --> आओ और देखो।

यूहन्ना 4:41 और उसके वचन के कारण और भी बहुतों ने विश्वास किया। (42) और उस स्त्री से कहा, “अब हम तेरे कहने ही से विश्वास नहीं करते; क्योंकि हमने आप ही सुन लिया, और जानते हैं कि यही सचमुच में जगत का उद्धारकर्ता है।”

हमने आप ही सुन लिया है + और जानते हैं, कि यह सचमुच जगत का उद्धारकर्ता मसीह है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: फिलिप्पुस ने नतनएल से वाद-विवाद नहीं किया, क्योंकि पूरा निमंत्रण था "आओ और देखो।" सामरिया के लोगों ने पहले यीशु के बारे में एक स्त्री से सुना, परन्तु फिर उन्होंने स्वयं यीशु को सुना। यीशु के विषय में सुनी हुई बात केवल एक आरंभ है, क्योंकि हर व्यक्ति को स्वयं आकर सुनना चाहिए।)

डी. पवित्रशास्त्र को खोजो — वे मेरी गवाही देते हैं

यूहन्ना 5:39 तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उसमें अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है;

तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते हो --> और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है.

यूहन्ना 20:30 यीशु ने और भी बहुत चिन्ह चेलों के सामने दिखाए, जो इस पुस्तक में लिखे नहीं गए। (31) परन्तु ये इसलिए लिखे गए हैं, कि तुम विश्वास करो, कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है: और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ।

परन्तु ये इसलिए लिखे गए हैं, कि तुम विश्वास करो --> और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ.

1 पतरस 2:2 नये जन्मे हुए बच्चों के समान निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ,

नवजात शिशुओं के समान + वचन के निर्मल दूध की लालसा करो --> कि तुम उससे बढ़ो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यीशु ने लोगों से कहा कि वे शास्त्रों में उसे खोजें। यूहन्ना ने अपना सुसमाचार इसलिए लिखा कि पाठक विश्वास करे, और यीशु के नाम से जीवन पाए। एक नवजात शिशु हर दिन दूध पीता है, और एक नए विश्वासी को भी वैसे ही वचन की चाह रखनी चाहिए।)

E. अनन्त जीवन यही है — कि वे तुझे जानें

यूहन्ना 17:3 और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जानें। **[G1097 ginosko ⚑]**

अनन्त जीवन यही है --> कि वे तुझे और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जानें।

यिर्मयाह 24:7 मैं उनका ऐसा मन कर दूँगा कि वे मुझे जानेंगे कि मैं यहोवा हूँ; और वे मेरी प्रजा ठहरेंगे और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, क्योंकि वे मेरी ओर सारे मन से फिरेंगे। **[H3045 yada ⚑] [H3820 leb ⚑]**

मैं उन्हें ऐसा हृदय दूंगा कि वे मुझे जानें --> वे अपने पूरे मन से मेरी ओर फिरेंगे।

मत्ती 11:27 “मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंपा है, और कोई पुत्र को नहीं जानता, केवल पिता; और कोई पिता को नहीं जानता, केवल पुत्र और वह जिस पर पुत्र उसे प्रगट करना चाहे।

पुत्र को पिता के सिवाय और कोई नहीं जानता + और जिस पर पुत्र उसे प्रगट करना चाहे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यीशु अनन्त जीवन को जानने के रूप में परिभाषित करते हैं, न कि किसी स्थान के रूप में (यूहन्ना 17:3)। यूनानी शब्द है ginosko (G1097, जानना), जो किसी व्यक्ति को जानना है, न कि किसी सूची को याद करना। परमेश्वर ने पुराने नियम में भी वही जानना प्रतिज्ञा किया, "मुझे जानने के लिये मन," इसलिये उससे वह मन माँगो (यिर्मयाह 24:7)।)

II. चलना — प्रतिदिन उसके साथ चलना

(मेरे व्यक्तिगत विचार: शिशु अपने पैरों पर खड़ा है, तो अब चलने की बारी है। इस पूरे चरण में एक शब्द पर ध्यान दें, शब्द "साथ"। चलना एक लंबा कदम नहीं है बल्कि दिन-प्रतिदिन यीशु की संगति में उठाए गए कई छोटे कदम हैं।)

A. जैसे तुमने उसे ग्रहण किया, वैसे ही उसमें चलो

कुलुस्सियों 2:6 इसलिए, जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो।

इसलिए, जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है --> वैसे ही उसी में चलते रहो.

आमोस 3:3 “यदि दो मनुष्य परस्पर सहमत न हों, तो क्या वे एक संग चल सकेंगे? **[H3212 yalak ⚑]**

यदि दो मनुष्य परस्पर सहमत न हों, तो क्या वे एक संग चल सकेंगे?

(मेरे व्यक्तिगत विचार: पौलुस एक ही वाक्य में ग्रहण करने और चलने को जोड़ता है। आमोस बाइबल का सबसे पुराना चलने संबंधी प्रश्न पूछता है, कि क्या दो जन बिना सहमति के संग संग चल सकते हैं। यीशु के साथ चलने का अर्थ है प्रतिदिन उसके साथ सहमत होना, एक-एक कदम करके।)

ख. कि वे उसके साथ रहें

मरकुस 3:14 तब उसने बारह को नियुक्त किया, कि वे उसके साथ-साथ रहें, और वह उन्हें भेजे, कि प्रचार करें।

उसने बारह को ठहराया + कि वे उसके साथ रहें --> कि वह उन्हें प्रचार करने के लिए भेज सके।

प्रेरितों के काम 4:13 जब उन्होंने पतरस और यूहन्ना का साहस देखा, और यह जाना कि ये अनपढ़ और साधारण मनुष्य हैं, तो अचम्भा किया; फिर उनको पहचाना, कि ये यीशु के साथ रहे हैं।

अनपढ़ और अज्ञानी मनुष्य --> उन्होंने पहचान लिया कि वे यीशु के साथ रहे थे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इस वचन के भीतर के क्रम को पढ़ें, क्योंकि यीशु के साथ रहना यीशु के लिए कार्य करने से पहले आता है (मरकुस 3:14)। वर्षों बाद, महासभा को दो अनपढ़ मनुष्यों के साहस के लिए जो एकमात्र स्पष्टीकरण मिला, वह यह था कि वे मनुष्य यीशु के साथ रहे थे (प्रेरितों के काम 4:13)। यीशु के साथ बिताया गया समय एक ऐसी छाप छोड़ता है जिसे अन्य लोग देख सकते हैं।)

सी. मेरा जूआ अपने ऊपर ले लो, और मुझसे सीखो

मत्ती 11:28 “हे सब परिश्रम करनेवालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा। **[G3129 manthano ⚑]** (29) मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो; और मुझसे सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूँ: और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे। (30) क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हलका है।”

मेरे पास आओ + मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो, और मुझसे सीखो --> तुम्हारे प्राणों को विश्राम मिलेगा।

लूका 10:38 फिर जब वे जा रहे थे, तो वह एक गाँव में गया, और मार्था नाम एक स्त्री ने उसे अपने घर में स्वागत किया। (39) और मरियम नामक उसकी एक बहन थी; वह प्रभु के पाँवों के पास बैठकर उसका वचन सुनती थी।

मरियम यीशु के चरणों में बैठी और उसका वचन सुनती रही।

लूका 10:41 प्रभु ने उसे उत्तर दिया, “मार्था, हे मार्था; तू बहुत बातों के लिये चिन्ता करती और घबराती है। (42) परन्तु एक बात अवश्य है, और उस उत्तम भाग को मरियम ने चुन लिया है: जो उससे छीना न जाएगा।”

हे मार्था, तू बहुत सी बातों की चिन्ता और घबराहट में पड़ी है --> परन्तु एक ही बात अवश्य है + मरियम ने वह अच्छा भाग चुन लिया है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: प्राचीन समय में, जूआ एक लकड़ी की छड़ होती थी जो दो पशुओं को गर्दन पर जोड़कर, साथ-साथ, एक ही गति से एक बोझ खींचने के लिए बाँधती थी। यीशु एक साझा बोझ देते हैं, न कि अकेले उठाने के लिए नियमों की सूची। मार्था काम करती और चिंता करती रही, परन्तु मरियम ने वह एक आवश्यक बात चुनी, यीशु के चरणों में बैठकर।)

डी. मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं — और वे मेरे पीछे चलती हैं

यूहन्ना 10:27 मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे-पीछे चलती हैं। **[G190 akoloutheo ⚑]** (28) और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ, और वे कभी नाश नहीं होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा।

मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं + और वे मेरे पीछे चलती हैं --> और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूं।

यूहन्ना 14:21 जिसके पास मेरी आज्ञा है, और वह उन्हें मानता है, वही मुझसे प्रेम रखता है, और जो मुझसे प्रेम रखता है, उससे मेरा पिता प्रेम रखेगा, और मैं उससे प्रेम रखूँगा, और अपने आपको उस पर प्रगट करूँगा।"

जिसके पास मेरी आज्ञा है, और वह उन्हें मानता है, वही मुझसे प्रेम रखता है --> और मैं उससे प्रेम रखूँगा, और अपने आपको उस पर प्रगट करूँगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: जानना दोनों दिशाओं में चलता है, क्योंकि भेड़ें यीशु का शब्द सुनती हैं, और यीशु भेड़ों को जानता है (यूहन्ना 10:27)। वह प्रतिज्ञा करता है, "मैं अपने आप को उस पर प्रगट करूंगा," और प्रगट करने का अर्थ है स्पष्ट रूप से दिखाना (यूहन्ना 14:21)। जो तुम पहले से जानते हो उसका पालन करो, और यीशु तुम्हें और अधिक दिखाएगा।)

E. मसीह का वचन तुझ में — और मसीह तुझ में

कुलुस्सियों 3:16 मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो; और सिद्ध ज्ञान सहित एक दूसरे को सिखाओ, और चिताओ, और अपने-अपने मन में कृतज्ञता के साथ परमेश्वर के लिये भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाओ। **[G1774 enoikeo ⚑]** (17) वचन से या काम से जो कुछ भी करो सब प्रभु यीशु के नाम से करो, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो।

मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो --> वचन से या काम से जो कुछ भी करो सब प्रभु यीशु के नाम से करो.

कुलुस्सियों 1:27 जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा, कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है, और वह यह है, कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है।

यह भेद = तुम में मसीह, महिमा की आशा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: "वास करना" शब्द एनोइकेओ (G1774, घर में रहना) है, यह एक निवासी के लिए शब्द है, अतिथि के लिए नहीं। मसीह का वचन तुम में एक निवासी की तरह वास करना चाहिए, क्योंकि केवल भेंट पर्याप्त नहीं है। कुलुस्सियों 3:17 फिर पूरे दिन को समाहित करता है, इसलिए कोई भी घंटा चाल से बाहर नहीं रहता।)

III. दौड़ में दौड़ना — उसके नाम को मान लेना, सिपाही की तरह समर्पण करना

(मेरे व्यक्तिगत विचार: अब चाल दौड़ में बदल जाती है, और निजी उत्तर सार्वजनिक उत्तर बन जाता है। बाइबल इस चरण के लिए दो चित्र प्रयोग करती है, एक धावक जो पुरस्कार की ओर आगे बढ़ता है, और एक सैनिक जो अपना पूरा शरीर अपने सेनापति को सौंप देता है। दोनों चित्रों की कीमत चुकानी पड़ती है, और दोनों का अंत अच्छा होता है।)

क. मनुष्यों के सामने उसे मान लेना

मत्ती 10:32 "जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा, उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने मान लूँगा। **[G3670 homologeo ⚑]** (33) पर जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा इन्कार करेगा उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने इन्कार करूँगा।

जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा अंगीकार करेगा --> उसका अंगीकार मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने करूंगा।

भिन्न दृष्टिकोण, एक ही दृश्य — दो सुसमाचारों में कहा गया एक ही प्रतिज्ञा

लूका 12:8 "मैं तुम से कहता हूँ जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा उसे मनुष्य का पुत्र भी परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने मान लेगा।

जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा --> मनुष्य का पुत्र भी परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने उसे मान लेगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यीशु को अंगीकार करना, होमोलोगेओ (G3670, वही बात कहना), का अर्थ है उसके बारे में खुलकर वही कहना जो बाइबल उसके बारे में कहती है। मत्ती दिखाता है कि यह अंगीकार "अपने स्वर्गीय पिता के सामने" उत्तर पाता है, और लूका दिखाता है कि वही अंगीकार "परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने" उत्तर पाता है। पृथ्वी पर लोगों के सामने यीशु का नाम लो, और वह स्वर्ग के सामने तुम्हारा नाम लेगा।)

ख. हम बोले बिना नहीं रह सकते

प्रेरितों के काम 4:19 परन्तु पतरस और यूहन्ना ने उनको उत्तर दिया, "तुम ही न्याय करो, कि क्या यह परमेश्वर के निकट भला है, कि हम परमेश्वर की बात से बढ़कर तुम्हारी बात मानें? (20) क्योंकि यह तो हम से हो नहीं सकता, कि जो हमने देखा और सुना है, वह न कहें।"

क्योंकि यह तो हम से हो नहीं सकता, कि जो हमने देखा और सुना है, वह न कहें.

प्रेरितों के काम 5:41 वे इस बात से आनन्दित होकर महासभा के सामने से चले गए, कि हम उसके नाम के लिये निरादर होने के योग्य तो ठहरे। (42) इसके बाद हर दिन, मन्दिर में और घर-घर में, वे लगातार सिखाते और प्रचार करते थे कि यीशु ही मसीह है।

कि हम उसके नाम के लिये निरादर होने के योग्य तो ठहरे --> वे लगातार सिखाते और प्रचार करते थे कि यीशु ही मसीह है.

1 पतरस 4:16 पर यदि मसीही होने के कारण दुःख पाए, तो लज्जित न हो, पर इस बात के लिये परमेश्वर की महिमा करे।

यदि कोई मसीही होकर दुख उठाए, तो लज्जित न हो --> वरन इस बात में परमेश्वर की महिमा करे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: प्रेरित यीशु के बारे में बोलना बंद नहीं कर सकते थे, क्योंकि कोई व्यक्ति उस व्यक्ति के बारे में चुप नहीं रह सकता जिसे वह वास्तव में जानता है। जानना बोलने को उत्पन्न करता है, इस प्रकार यह चरण उस पहले चरण से उत्पन्न होता है। "मसीही" नाम में मसीह का नाम समाहित है, जो परमेश्वर की महिमा करने का एक कारण है, न कि छिपाने का बोझ।)

C. सिपाही की तरह समर्पण करना — ज्योति के शस्त्र धारण करो

रोमियों 12:1 इसलिए हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर विनती करता हूँ, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ; यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। **[G3936 paristemi ⚑]**

अपनी देहों को एक जीवित बलिदान के रूप में चढ़ाओ + पवित्र, जो परमेश्वर को भाता है।

रोमियों 13:12 रात बहुत बीत गई है, और दिन निकलने पर है; इसलिए हम अंधकार के कामों को तजकर ज्योति के हथियार बाँध लें। **[G3696 hoplon ⚑]** (13) जैसे दिन में, वैसे ही हमें उचित रूप से चलना चाहिए; न कि लीलाक्रीड़ा, और पियक्कड़पन, न व्यभिचार, और लुचपन में, और न झगड़े और ईर्ष्या में। (14) वरन् प्रभु यीशु मसीह को पहन लो, और शरीर की अभिलाषाओं को पूरा करने का उपाय न करो।

अंधकार के कामों को उतार दो + ज्योति के हथियार बांध लो --> प्रभु यीशु मसीह को पहन लो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: शब्द "प्रस्तुत करना" पैरिस्तेमी (G3936, बगल में खड़ा होना, सौंप देना) है, वह शब्द जो एक सैनिक के लिए प्रयोग होता है जो अपने पूरे शरीर को अपने सेनापति को सौंप देता है। पद 12 कहता है ज्योति के हथियार बान्ध लो, और पद 14 कहता है प्रभु यीशु मसीह को पहन लो (रोमियों 13:12, रोमियों 13:14)। यह हथियार कोई वस्तु नहीं बल्कि एक व्यक्ति है, इसलिए सैनिक केवल यीशु के लिए ही नहीं लड़ता बल्कि उसे पहनता भी है।)

D. निशाने की ओर बढ़ो — उसके द्वारा जयवन्तों से भी बढ़कर

फिलिप्पियों 3:13 हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूँ; परन्तु केवल यह एक काम करता हूँ, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूलकर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ, (14) निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊँ, जिसके लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

पीछे की बातों को भूलकर --> मैं मसीह यीशु में परमेश्वर की ऊपर की बुलाहट के इनाम के लिये लक्ष्य की ओर दौड़ता चला जाता हूं।

रोमियों 8:35 कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार? (36) जैसा लिखा है, "तेरे लिये हम दिन भर मार डाले जाते हैं; हम वध होनेवाली भेड़ों के समान गिने गए हैं।" (भज. 44:22) (37) परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया है, विजेता से भी बढ़कर हैं।

कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश? --> 22) परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया है, विजेता से भी बढ़कर हैं.

प्रकाशितवाक्य 12:10 फिर मैंने स्वर्ग पर से यह बड़ा शब्द आते हुए सुना, "अब हमारे परमेश्वर का उद्धार, सामर्थ्य, राज्य, और उसके मसीह का अधिकार प्रगट हुआ है; क्योंकि हमारे भाइयों पर दोष लगानेवाला, जो रात-दिन हमारे परमेश्वर के सामने उन पर दोष लगाया करता था, गिरा दिया गया। (प्रका. 11:15) **[G3141 marturia ⚑]** (11) और वे मेम्ने के लहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, क्योंकि उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहाँ तक कि मृत्यु भी सह ली।

उन्होंने मेम्ने के लोहू के कारण + अपनी गवाही के वचन के कारण उस पर जय पाई।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: पौलुस पीछे की बातों को भूलकर एक ही निशाने की ओर बढ़ता है, "परमेश्वर की ऊपर की बुलाहट का इनाम जो मसीह यीशु में है" (फिलिप्पियों 3:14)। इस अध्ययन की दौड़ किसी स्थान की ओर नहीं, बल्कि एक व्यक्ति की ओर दौड़ है। विजयी लोग मेम्ने के लहू के द्वारा जिसे परमेश्वर का मेम्ना कहा जाता है, और अपनी गवाही के वचन के द्वारा जीते, इसलिए उसके नाम को अंगीकार करना ही धावक के जीतने का तरीका है (प्रकाशितवाक्य 12:11)।)

IV. अंतिम रेखा — उसकी प्रतीक्षा करना, और उसका मुख देखना

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इस दौड़ का अंत एक दीवार नहीं बल्कि एक चेहरा है। बाइबल यीशु के आगमन की निश्चितता बताती है, और वह समय-सारणी देने से इनकार करती है। कोई भी तारीख नहीं जानता, इसलिए जागते रहने की आज्ञा ही पूरा कार्य है।)

क. वह दूसरी बार प्रकट होगा

इब्रानियों 9:27 और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। (2 कुरि. 5:10, सभो. 12:14) **[G553 apekdechomai ⚑]** (28) वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ और जो लोग उसकी प्रतीक्षा करते हैं, उनके उद्धार के लिये दूसरी बार बिना पाप के दिखाई देगा। (1 पत. 2:24, तीतु. 2:13)

मसीह एक बार बहुतों के पापों को उठाने के लिये चढ़ाया गया --> जो उसकी बाट जोहते हैं, उन्हें वह दूसरी बार बिना पाप के दर्शन देगा।

1 थिस्सलुनीकियों 5:1 पर हे भाइयों, इसका प्रयोजन नहीं, कि समयों और कालों के विषय में तुम्हारे पास कुछ लिखा जाए। (2) क्योंकि तुम आप ठीक जानते हो कि जैसा रात को चोर आता है, वैसा ही प्रभु का दिन आनेवाला है।

वैसा ही प्रभु का दिन आनेवाला है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: "प्रतीक्षा करना" के पीछे का यूनानी शब्द है apekdechomai (G553, पूरी तरह से आशा करना), एक ऐसा व्यक्ति जो प्रतिदिन आगे की ओर झुका रहता है, न कि केवल एक बार ऊपर देखता है। पौलुस फिर एक पूरी कलीसिया से कहता है कि वह दिन रात में चोर के समान आता है, इसलिए कलीसिया को किसी पंचांग की आवश्यकता नहीं है। यह अचानकपन भय का कारण नहीं है बल्कि जागते रहने का कारण है।)

ख. जागते रहो — सभी को दी गई एक आज्ञा

मत्ती 24:42 इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस दिन आएगा। **[G1127 gregoreo ⚑]**

इसलिए जागते रहो + क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस दिन आएगा.

भिन्न दृष्टिकोण, एक ही दृश्य — दो सुसमाचारों में एक ही आज्ञा

मरकुस 13:33 देखो, जागते और प्रार्थना करते रहो; क्योंकि तुम नहीं जानते कि वह समय कब आएगा। **[G69 agrupneo ⚑]**

देखो, जागते और प्रार्थना करते रहो + क्योंकि तुम नहीं जानते कि वह समय कब आएगा.

मरकुस 13:37 और जो मैं तुम से कहता हूँ, वही सबसे कहता हूँ: जागते रहो।”

और जो मैं तुम से कहता हूँ, वही सबसे कहता हूँ: जागते रहो.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: मत्ती ग्रेगोरियो (G1127, जागते रहना) दर्ज करता है, और मरकुस एग्रुप्रेओ (G69, नींद रहित रहना) दर्ज करता है, साथ में जोड़े गए शब्द "और प्रार्थना करना।" ये दोनों शब्द मिलकर एक ऐसे सेवक का वर्णन करते हैं जो अपनी आंखें खुली रखता है और अपने स्वामी से बातचीत करता रहता है। यीशु कहते हैं कि यह आज्ञा सभी के लिए है, इसलिए जागते रहना हर विश्वासी की स्थायी मुद्रा है (मरकुस 13:37)।)

1 थिस्सलुनीकियों 5:5 क्योंकि तुम सब ज्योति की सन्तान, और दिन की सन्तान हो, हम न रात के हैं, न अंधकार के हैं। (6) इसलिए हम औरों की समान सोते न रहें, पर जागते और सावधान रहें।

तुम सब ज्योति की सन्तान हो --> इसलिये हम सोए न रहें + परन्तु जागृत और सचेत रहें।

सी. धन्य हैं वे सेवक, जो जागते हुए पाए जाएं

लूका 12:35 “तुम्हारी कमर बंधी रहें, और तुम्हारे दीये जलते रहें। (निर्ग. 12:11, 2 राजा. 4:29, इफि. 6:14, मत्ती 5:16) (36) और तुम उन मनुष्यों के समान बनो, जो अपने स्वामी की प्रतीक्षा कर रहे हों, कि वह विवाह से कब लौटेगा; कि जब वह आकर द्वार खटखटाएँ तो तुरन्त उसके लिए खोल दें। (37) धन्य हैं वे दास, जिन्हें स्वामी आकर जागते पाए; मैं तुम से सच कहता हूँ, कि वह कमर बाँधकर उन्हें भोजन करने को बैठाएगा, और पास आकर उनकी सेवा करेगा।

तुम्हारी कमर बन्धी रहे, और तुम्हारे दीये जलते रहें --> धन्य हैं वे दास, जिन्हें स्वामी जब आए तो जागते हुए पाए।

प्रकाशितवाक्य 3:11 मैं शीघ्र ही आनेवाला हूँ; जो कुछ तेरे पास है उसे थामे रह, कि कोई तेरा मुकुट छीन न ले। **[G5035 tachu ⚑]**

मैं शीघ्र ही आनेवाला हूँ --> जो कुछ तेरे पास है उसे थामे रह, कि कोई तेरा मुकुट छीन न ले.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: प्राचीन समय में, कोई व्यक्ति कठिन काम से पहले अपने लंबे वस्त्र को कमरबंद से बांध लेता था, इसलिए बंधा हुआ वस्त्र और जलता हुआ दीपक एक ऐसे घर का संकेत होते थे जो तैयार और जागृत हो। फिर यीशु एक ऐसा अंत जोड़ते हैं जिसे कोई भी गढ़ने का साहस न करता, क्योंकि लौटता हुआ स्वामी स्वयं अपना वस्त्र बांधता है, जागते हुए सेवकों को मेज पर बैठाता है, और अपने ही हाथों से उनकी सेवा करता है। जागता हुआ सेवक भोज की प्रतीक्षा करता है, भय में नहीं।)

D. यीशु मसीह एक ही सा है — कल और आज और सर्वदा

इब्रानियों 13:8 यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एक-सा है। (भज. 90: 2, प्रका. 1:8, यशा. 41:4)

यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एक-सा है। (भज. 90: 2, प्रका. 1:8, यशा. 41:4.

प्रकाशितवाक्य 1:8 प्रभु परमेश्वर, जो है, और जो था, और जो आनेवाला है; जो सर्वशक्तिमान है: यह कहता है, “मैं ही अल्फा और ओमेगा हूँ।” (प्रका. 22:13, यशा. 41:4, यशा. 44:6)

प्रभु परमेश्वर, जो है + मैं ही अल्फा और ओमेगा हूँ।” (प्रका. 22:13, यशा. 41:4, यशा. 44:6.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: फिनिश लाइन नहीं हिलती, क्योंकि यीशु मसीह समय की तीनों दिशाओं में एक समान हैं (इब्रानियों 13:8)। अल्फा और ओमेगा यूनानी वर्णमाला का पहला अक्षर और अंतिम अक्षर हैं, इसलिये यीशु पूरी कहानी के दोनों छोरों पर खड़े हैं। फिनिश लाइन पर वह चेहरा किसी अजनबी का चेहरा नहीं होगा।)

ई. आमने-सामने — वैसा ही जाना जाना जैसा मैं जाना गया हूं

भजन संहिता 17:15 परन्तु मैं तो धर्मी होकर तेरे मुख का दर्शन करूँगा जब मैं जागूँगा तब तेरे स्वरूप से सन्तुष्ट होऊँगा। (भज. 4:6,7, 1 यहू. 3:2) **[H8544 temunah ⚑] [H2372 chazah ⚑]**

मैं धर्म में तेरे मुख का दर्शन करूंगा --> जब मैं जागूंगा, तब तेरे स्वरूप से तृप्त होऊंगा।

1 यूहन्ना 3:2 हे प्रियों, अब हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ, कि हम क्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं, कि जब यीशु मसीह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, क्योंकि हम उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। **[G3700 optanomai ⚑]** (3) और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आपको वैसा ही पवित्र करता है, जैसा वह पवित्र है।

जब वह प्रगट होगा, हम उसके समान होंगे + हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है --> जो कोई उस पर यह आशा रखता है वह अपने आप को पवित्र करता है।

1 कुरिन्थियों 13:12 अब हमें दर्पण में धुँधला सा दिखाई देता है; परन्तु उस समय आमने-सामने देखेंगे, इस समय मेरा ज्ञान अधूरा है; परन्तु उस समय ऐसी पूरी रीति से पहचानूँगा, जैसा मैं पहचाना गया हूँ।

अभी तो हम धुंधले रूप से दर्पण में देखते हैं + परन्तु उस समय आमने-सामने देखेंगे --> अभी मैं अधूरा जानता हूं, परन्तु उस समय जानूंगा जैसा कि मैं भी जाना गया हूं।

प्रकाशितवाक्य 22:3 फिर श्राप न होगा, और परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन उस नगर में होगा, और उसके दास उसकी सेवा करेंगे। (जक. 14:11) (4) वे उसका मुँह देखेंगे, और उसका नाम उनके माथों पर लिखा हुआ होगा।

उसके सेवक उसकी सेवा करेंगे --> वे उसका मुख देखेंगे + उसका नाम उनके माथों पर होगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यही वह स्थान है जहाँ पूरी चाल जा रही थी, क्योंकि जब हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है, तब हम यीशु के समान होंगे (1 यूहन्ना 3:2)। जो व्यक्ति यह आशा रखता है वह अभी अपने आप को शुद्ध करता है, क्योंकि वह यीशु से मिलने की आशा रखता है। जो जानना घुटनों के बल चलने के रूप में आरंभ हुआ था, वह आमने-सामने समाप्त होता है (1 कुरिन्थियों 13:12)।)

दो के मुख

अय्यूब 19:25 मुझे तो निश्चय है, कि मेरा छुड़ानेवाला जीवित है, और वह अन्त में पृथ्वी पर खड़ा होगा। (1 यूह. 2:28, यशा. 54: 5)
[H1350 gaal ⚑] (26) और अपनी खाल के इस प्रकार नाश हो जाने के बाद भी, मैं शरीर में होकर परमेश्वर का दर्शन पाऊँगा। (27) उसका दर्शन मैं आप अपनी आँखों से अपने लिये करूँगा, और न कोई दूसरा। यद्यपि मेरा हृदय अन्दर ही अन्दर चूर-चूर भी हो जाए,

मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ानेवाला जीवित है --> अपने ही शरीर से मैं परमेश्वर को देखूंगा + और मेरी ही आंखें उसे देखेंगी, और कोई नहीं।

भजन संहिता 17:15 परन्तु मैं तो धर्मी होकर तेरे मुख का दर्शन करूँगा जब मैं जागूँगा तब तेरे स्वरूप से सन्तुष्ट होऊँगा। (भज. 4:6,7, 1 यूह. 3:2)

मैं तेरे मुख का दर्शन करूंगा + जब मैं जागूंगा तब सन्तुष्ट हो जाऊंगा।

1 यूहन्ना 3:2 हे प्रियों, अब हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ, कि हम क्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं, कि जब यीशु मसीह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, क्योंकि हम उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

जब वह प्रगट होगा --> हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15)

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इस यात्रा के अंत में तीन गवाह खड़े हैं, क्योंकि अय्यूब, दाऊद, और यूहन्ना सभी कहते हैं कि वे परमेश्वर को देखेंगे। ये तीनों पुरुष संसार के तीन अलग-अलग युगों में रहे, फिर भी वे एक ही गवाही देते हैं। बाइबल कहती है "दो या तीन गवाहों के मुंह से हर एक बात स्थिर की जाएगी," इसलिए परमेश्वर के साथ चलने वाली यात्रा परमेश्वर को देखने पर समाप्त होती है (2 कुरिन्थियों 13:1)।)

छाया और पूर्णता

> *भूमि पर पड़ी एक छाया के बारे में सोचें। आप छाया का आकार देख सकते हैं। केवल आकार आपको यह नहीं बताएगा कि छाया किसकी बनाई गई है। जब तक सच्चा प्रकाश आपको वस्तु स्वयं नहीं दिखाता, तब तक छाया एक रहस्य बनी रहती है। तब आप पीछे मुड़कर छाया को देखते हैं। आप देखते हैं कि छाया आरंभ से ही उस वस्तु का आकार लिए हुए थी। पुराने नियम के चित्र इसी प्रकार की छायाएँ हैं। वे सच्ची छायाएँ हैं, जो वास्तव में एक सच्चे शरीर द्वारा आकार दी गई हैं। बाइबल इन चित्रों को "आने वाली बातों की छाया" कहती है (कुलुस्सियों 2:17)। वही वचन कहता है "परन्तु शरीर मसीह का है।" छाया "उस वस्तु का ठीक स्वरूप" नहीं है (इब्रानियों 10:1)। कोई भी केवल छाया से पूरा सत्य नहीं पढ़ सकता था। हम कभी भी किसी शिक्षा को अकेले छाया पर आधारित नहीं करते। हम किसी वस्तु को छाया तभी कहते हैं जब नये नियम के प्रकाश ने हमें वह शरीर दिखाया है जिससे वह छाया संबंधित है। इस भाग में, नये नियम का प्रकाश उस शरीर का नाम खुलकर बताता है।*

Shadow निर्गमन 13:21 और यहोवा उन्हें दिन को मार्ग दिखाने के लिये बादल के खम्भे में, और रात को उजियाला देने के लिये आग के खम्भे में होकर उनके आगे-आगे चला करता था, जिससे वे रात और दिन दोनों में चल सके। **[H5982 ammud ⚑]** (22) उसने न तो बादल के खम्भे को दिन में और न आग के खम्भे को रात में लोगों के आगे से हटाया।

यहोवा दिन को बादल के खम्भे में होकर उनके आगे आगे चलता था --> उसने उस बादल के खम्भे को प्रजा के आगे से जाने न दिया।

Fulfillment यूहन्ना 8:12 तब यीशु ने फिर लोगों से कहा, “जगत की ज्योति मैं हूँ; जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अंधकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।” (यूह. 12:46)

मैं जगत की ज्योति हूं --> जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अंधकार में कभी न चलेगा, वरन जीवन की ज्योति पाएगा।

Fulfillment 1 कुरिन्थियों 10:1 हे भाइयों, मैं नहीं चाहता, कि तुम इस बात से अज्ञात रहो, कि हमारे सब पूर्वज बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए। (निर्ग. 14:29) (2) और सब ने बादल में, और समुद्र में, मूसा का बपतिस्मा लिया। (3) और सब ने एक ही आत्मिक भोजन किया। (निर्ग. 16:35, व्यव. 8:3) (4) और सब ने एक ही आत्मिक जल पीया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे, जो उनके साथ-साथ चलती थी; और वह चट्टान मसीह था। (निर्ग. 17:6, गिन. 20:11)

हमारे सब बापदादे बादल के नीचे थे --> उन्होंने उस आत्मिक चट्टान का जल पिया जो उनके साथ-साथ चलती थी + वह चट्टान मसीह था।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इस्राएल चालीस वर्ष तक बादल और आग के खम्भे के पीछे-पीछे चला, और वह सारी यात्रा भूमि पर एक छाया थी। नया नियम प्रकाश जलाता है, क्योंकि यीशु कहते हैं, "जगत की ज्योति मैं हूं," और पौलुस लिखता है, "और वह चट्टान मसीह था" (यूहन्ना 8:12, 1 कुरिन्थियों 10:4)। यीशु के साथ दिन-प्रतिदिन चलना बाइबल में सबसे पुरानी यात्रा है।)

समापन

यूहन्ना 14:2 मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं, यदि न होते, तो मैं तुम से कह देता क्योंकि मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ। (3) और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूँ, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा, कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो।

मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूं --> मैं फिर आकर तुम्हें अपने पास ले लूंगा + जहां मैं हूं, वहां तुम भी रहो।

प्रकाशितवाक्य 22:20 जो इन बातों की गवाही देता है, वह यह कहता है, "हाँ, मैं शीघ्र आनेवाला हूँ।" आमीन। हे प्रभु यीशु आ!

वह यह कहता है --> आमीन। हे प्रभु यीशु आ.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: अब घर तक की पूरी यात्रा को समेट लें, क्योंकि पिता रेंगने वाले को खींचता है, चलने वाला यीशु के साथ दिन-प्रतिदिन बना रहता है, दौड़ने वाला उसके नाम को अंगीकार करता है, और जागते रहने वाला अपने दीपक को जलता हुआ रखता है। यीशु ने केवल एक स्थान का वादा नहीं किया, क्योंकि उसने स्वयं का वादा किया, यह कहते हुए, "मैं फिर आकर तुम्हें अपने पास ले लूंगा" (यूहन्ना 14:3)। आगे बढ़ते चलो, क्योंकि तुम यीशु की ओर चल रहे हो, और वह पहले से ही तुम्हारी ओर आ रहा है।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

मत्ती 16:16 — शमौन पतरस ने उत्तर दिया, तू मसीह है:
क) इस्राएल का राजा
ख) जीवते परमेश्वर का पुत्र
c) दाऊद का पुत्र

यूहन्ना 10:27 — मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूं:
क) और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं
b) और मैं भेड़ों के लिये अपना प्राण देता हूं
c) और वे कभी नाश नहीं होंगे

3. मत्ती 11:29 — मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो, और मुझसे सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं:
क) और मैं तुम्हें विश्राम दूंगा
b) क्योंकि मेरा जूआ सहज है, और मेरा बोझ हलका है
c) और तुम्हारे प्राणों को विश्राम मिलेगा

4. प्रकाशितवाक्य 12:11 — और उन्होंने मेम्ने के लोहू के कारण उस पर जय पाई:
क) अपनी सामर्थ्य के वचन से
b) और अपनी गवाही के वचन के कारण
c) उसके क्रूस के लोहू के द्वारा

5. 1 यूहन्ना 3:2 — पर हम जानते हैं, कि जब वह प्रगट होगा, तो हम उसके समान होंगे:
a) और उसकी हर आँख देखेगी
ख) क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे
c) क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है

6. इब्रानियों 13:8 — यीशु मसीह कल और आज एक ही सा है, और:
a) और सर्वदा
b) और तेरे वर्ष समाप्त नहीं होंगे
ग) युगानुयुग

7. मत्ती 24:42 — इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते:
a) न वह दिन न वह घड़ी
b) किस घड़ी तुम्हारा प्रभु आएगा
c) जब समय हो

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-a, 3-c, 4-b, 5-c, 6-a, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

--> छाया प्रकाश कैसे लाती है: यहोवा इस्राएल के आगे बादल और आग के खम्भे में चला, और वह खम्भा लोगों से कभी अलग नहीं हुआ (निर्गमन 13:21-22)। यीशु कहते हैं, "जगत की ज्योति मैं हूँ" (यूहन्ना 8:12)। पौलुस कहता है कि पूर्वजों ने एक आत्मिक चट्टान का जल पिया, "और वह चट्टान मसीह था" (1 कुरिन्थियों 10:4)।

--> नई वाचा इसे कैसे स्पष्ट करती है: आमोस पूछता है, "क्या दो बिना एका किए संग संग चल सकते हैं?" (आमोस 3:3)। नया नियम एक आज्ञा और एक प्रतिज्ञा के साथ उत्तर देता है। "इसलिये उसी में चलते रहो" (कुलुस्सियों 2:6)। "तुम में मसीह, महिमा की आशा" (कुलुस्सियों 1:27)।

--> शब्दों का महत्व कैसे है: एक अंग्रेज़ी शब्द "WATCH" दो यूनानी शब्दों को दर्शाता है। मत्ती 24:42 में GREGOREO (G1127, जागते रहना) प्रयोग हुआ है। मरकुस 13:33 में AGRUPNEO (G69, निद्राहीन रहना) प्रयोग हुआ है, और मरकुस "और प्रार्थना करो" जोड़ता है। एक ही आज्ञा आंखों और प्रार्थनाओं दोनों को साथ में समेटती है।

--> यह आप पर कैसे लागू होता है: महासभा जानती थी कि पतरस और यूहन्ना यीशु के साथ रहे थे (प्रेरितों के काम 4:13)। यीशु के साथ समय बिताने से एक छाप छूट जाती है। आपके आस-पास के लोग उस छाप को देख सकते हैं।

--> इसका अनंतकाल के लिए क्या अर्थ है: "अब मैं अंश ही अंश जानता हूं, परन्तु उस समय जानूंगा, जैसा मैं जाना गया हूं" (1 कुरिन्थियों 13:12)। जो जानना इस जीवन में आरम्भ होता है, वह मृत्यु पर खोया नहीं जाता। वह यीशु के मुख के सामने अपनी पूर्णता को पाता है (प्रकाशितवाक्य 22:4)।

--> बाग़ी मार्ग: लूका 12:37 दिखाता है कि लौटता हुआ स्वामी जागते हुए सेवकों को मेज़ पर बिठाता है, और स्वामी स्वयं सेवकों की सेवा करता है। यीशु कहते हैं "मैं तुम्हारे बीच में सेवा करनेवाले के समान हूं" (लूका 22:27)। यीशु प्रतिज्ञा करते हैं "मैं उसके साथ भोजन करूंगा, और वह मेरे साथ" (प्रकाशितवाक्य 3:20)। वह स्वामी जो अपने ही सेवकों की सेवा करता है, वह अपने आप में एक पूर्ण अध्ययन का विषय है।

--> संभावित रहस्योद्घाटन: इस अध्ययन में पहला निमंत्रण है "आओ और देखो" (यूहन्ना 1:46)। इस अध्ययन में अंतिम प्रतिज्ञा है "वे उसका मुख देखेंगे" (प्रकाशितवाक्य 22:4)। यीशु के साथ चलना देखने से आरंभ होता है और देखने पर समाप्त होता है। इन दोनों के बीच का हर चरण उसी मुख की एक स्पष्ट झलक है। कोई एक पद अकेले यह नहीं कहता। इन पदों को एक साथ रखकर उन पर विचार करें।

ग्रीक मुख्य शब्द

"जानना" — **G1097 ginosko** — जानना, अवगत होना, बोध करना, निश्चित होना
अनन्त जीवन इसी शब्द से परिभाषित होता है। "अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझे जानें" (यूहन्ना 17:3)। इस शब्द का अर्थ है किसी व्यक्ति को जानना, न कि तथ्यों को रटना।

"प्रकट" — **G601 apokalupto** — आवरण हटाना, प्रकट करना, उजागर करना
मांस और लोहू ने पतरस को नहीं दिखाया कि यीशु कौन है। पिता ने पर्दा हटा दिया (मत्ती 16:17)।

"सीखना" — **G3129 manthano** — सीखना, समझना
यीशु कहते हैं "मुझसे सीखो" (मत्ती 11:29)। यह सीखना उसके जूए के नीचे, गुरु के निकट होता है।

"पीछे चलना" — **G190 akoloutheo** — साथ चलना, एक ही मार्ग पर साथ जाना, अनुसरण करना
भेड़ें चरवाहे के साथ उसी मार्ग पर चलती हैं, एक समय में एक दिन (यूहन्ना 10:27)।

"निवास करना" — **G1774 enoikeo** — निवास करना, बसना
मसीह का वचन मनुष्य में एक निवासी की तरह बसने के लिये है, न कि अतिथि की तरह भेंट करने के लिये (कुलुस्सियों 3:16)।

"अंगीकार करना" — **G3670 homologeo** — स्वीकार करना, मान लेना, एक ही बात कहना, अंगीकार करना
यीशु को अंगीकार करना यह है कि यीशु के बारे में वही बात खुलकर कहना जो बाइबल कहती है (मत्ती 10:32)।

"गवाही" — **G3141 marturia** — दिया गया प्रमाण, अभिलेख, गवाही, साक्ष्य
विजयी लोगों ने मेम्ने के लोहू और अपनी गवाही के वचन के द्वारा जय पाई (प्रकाशितवाक्य 12:11)।

"उपस्थित" — **G3936 paristemi** — पास खड़ा होना, उपस्थित करना, सौंप देना
विश्वासी अपने शरीर को परमेश्वर के आगे सम्पूर्ण और जीवित करके समर्पित करता है, जैसे एक सिपाही अपने सेनापति के आगे (रोमियों 12:1)।

"कवच" — **G3696 hoplon** — एक उपकरण, कवच, एक यंत्र, एक हथियार
पद 12 कहता है उजियाले के हथियार बान्ध लो। पद 14 कहता है प्रभु यीशु मसीह को पहिन लो। यह हथियार एक व्यक्ति है (रोमियों 13:12-14)।

"देखना" — **G553 apekdechomai** — पूरी आशा से प्रतीक्षा करना, देखना और बाट जोहना
यीशु "उसकी बाट जोहनेवालों" के लिये दूसरी बार प्रगट होने की प्रतिज्ञा करता है (इब्रानियों 9:28)। इस शब्द का अर्थ है पूरी आशा के साथ आगे की ओर झुकना।

"जागते रहना" — **G1127 gregoreo** — जागते रहना, सतर्क रहना, चौकसी करना
यह मत्ती के सुसमाचार में सतर्कता का वचन है। सेवक अपनी आँखें खुली रखता है (मत्ती 24:42)।

"जागते रहना" — **G69 agrupneo** — निद्राहीन रहना, जागते रहना, चौकसी करना
यह मरकुस के सुसमाचार का पहरेदारी वाला शब्द है। मरकुस इस शब्द को प्रार्थना के साथ जोड़ता है। सेवक निद्राहीन रहता है। सेवक प्रार्थना करता रहता है (मरकुस 13:33)।

"शीघ्र" — **G5035 tachu** — शीघ्र ही, बिना देर किए, अचानक, तेज़ी से
"देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूं" (प्रकाशितवाक्य 3:11)। यह शब्द अचानकता को दर्शाता है, कभी किसी निश्चित समय को नहीं।

"देखना" — **G3700 optanomai** — खुली आँखों से देखना, देखना, प्रकट होना
"हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है" (1 यूहन्ना 3:2)। यह शब्द किसी अद्भुत वस्तु को देखने का वर्णन करता है।

हिब्रू मुख्य शब्द

“जानना” — **H3045 yada** — जानना, स्वीकार करना, परिचित होना

परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की, "मुझे जानने के लिये मन" (यिर्मयाह 24:7)। पुराने नियम में जानना किसी व्यक्ति को जानना है, वही जो नये नियम के ग्रीक शब्द ginosko में है।

“हृदय” — **H3820 leb** — हृदय, भावनाएँ, इच्छा, समझ

परमेश्वर वह हृदय देता है जो उसे जानता है। यह जानना कभी भी केवल मस्तिष्क में रहने के लिये नहीं था (यिर्मयाह 24:7)।

“चलना” — **H3212 yalak** — चलना, जाना, आना, विदा होना

आमोस पूछता है कि क्या दो जन बिना एका किए संग चल सकते हैं (आमोस 3:3)। इस अध्ययन की सम्पूर्ण दूसरी अवस्था इसी शब्द के भीतर बसती है।

“स्तंभ” — **H5982 ammud** — एक खंभा, एक चौकी, एक स्तंभ

बादल और आग का खंभा इस्राएल के आगे-आगे चलता था। वह खंभा लोगों को कभी नहीं छोड़ता था (निर्गमन 13:21-22)। वह खंभा छाया है। मसीह ही देह है (1 कुरिन्थियों 10:4)।

“छुड़ानेवाला” — **H1350 gaal** — छुड़ाना, कुटुम्बी के रूप में कार्य करना, दाम देकर छुड़ाना

प्राचीन समय में, निकटतम रिश्तेदार परिवार के किसी सदस्य को कर्ज या दासता से छुड़ाता था। अय्यूब जीवित परमेश्वर को "मेरा छुड़ानेवाला" कहता है। अय्यूब अपने ही शरीर में परमेश्वर को देखने की आशा रखता है (अय्यूब 19:25-26)।

“देखो” — **H2372 chazah** — ताकना, देखना, ध्यान से देखना

दाऊद इस शब्द का उपयोग अंतिम भोर के लिए करता है। "मैं धर्म में तेरे मुख का दर्शन करूंगा" (भजन संहिता 17:15)।

“स्वरूप” — **H8544 temunah** — एक आकार, एक प्रतिमा, एक समानता, एक प्रतिरूप

दाऊद परमेश्वर की समानता से तृप्त होकर जागता है (भजन संहिता 17:15)। यूहन्ना कहता है कि उसे देखना हमें यीशु के समान बना देगा (1 यूहन्ना 3:2)।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).